Loans to M/s. Bharat Hotels, New Delhi by Public Financial Institutions

1474. DR. SHANTI G. PATEL:
DR. MAHABIR PRASAD:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have issued any instructions to the financial institutions which have given loan to M/s. Bharat Hotels, New Delhi to penalise the firm for violating the terms of contract;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government have permitted M/s. Bharat Hotels, New Delhi to change its complex into "World Trade Centre"; and

(d) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KHURSHEED ALAM KHAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d) The hote project, as approved by the Department of Tourism, has not been converted for use for any other purpose. At the time of the appraisal of the Hotel project by the financial institutions, it was envisaged that the Company would take up construction of a commercial block separately for sub leasing/licensing which did not come under the scope of the Project financed by the financial institutions.

The Company was given permission by the New Delhi Municipal Committee in October, 1983 to construct a hotel with 500 guest rooms of the requisite standard and also use balance area for commercial purposes as per the provisions of the Licence Deed. M/s. Bharat Hotels, New Delhi also propose to construct a separate tower as "Office Complex" for which it has obtained the approval of N.D.M.C. The Hotel Co. is understood to have given the name of "World Trade Centre" to their commercial complex for identification purpose.

स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के अधीन रोहतक के बावा ज्वेलर्स और मल्होत्रा ज्वेलर्स के विरुद्ध जांच

1475. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा के रोहतक शहर के बावा ज्वेलर्स और मल्होत्रा ज्वेलर्स ने पिछले तीन वर्षों में स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के तहत कितने सोना, चांदी एवं अन्य जवाहरातों का व्यापार किया;

(ख) क्या यह सच है कि उपर्युक्त व्यापारी स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के उपबन्धों का अनुपालन नहीं कर रहे हैं और वे फर्जी खाते बही रखते हैं और उन्होंने अवैध व्यापार के द्वारा भारी सम्पत्ति प्राप्त कर ली है;

(ग) क्या इस संबंध में कोई जांच की गई है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस मामले में क्या कारवाई की गई है?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी): (क) स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के अन्तर्गत चांदी तथा चांदी के जेवरातों में किये गये व्यापारिक लेन देन पर कोई लेखा सम्बन्धी नियंत्रण नहीं है तथा इस प्रकार यह बताना सम्भव नहीं है कि उन्होंने कितना व्यापार किया गत तीन वर्षोंके दौरान स्वर्ण जेवरातों की कुल व्यापार की मात्रा नीचे दिए अनुसार है :—

वर्ष	मैसर्स बावा ज्वैलर्स (ग्राम में)	मैसर्स मल्होत्रा ज्वैलर्स (ग्राम में)
1981	51459.105	39214.033
1982	59014.220	32736.999
1983	56565.335	2 [illegible]29.560

(ख) से (घ) स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के उपबन्धों के किसी उल्लंघन की सूचना नहीं